भारतीय शिक्षा बोर्ड 2026-27
पाठ्यक्रम-कक्षा : 09-[redacted]
हिंदी भाषा एवं साहित्य
(अन्वेषा और अधिति)
विषय कोड-001

माध्यमिक स्तर-09-10

माध्यमिक स्तर पर 09-10 हिंदी भाषा एवं साहित्य शिक्षण के उद्देश्य—

1. **संचार कौशल विकसित करना—** छात्रों को हिंदी में पढ़ने, लिखने, सुनने और बोलने में सक्षम बनाना।
2. **शब्दावली और व्याकरण में सुधार करना—** विद्यार्थियों को भाषा की शुद्धता पूर्वक अभिव्यक्ति कौशल में दक्ष बनाना।
3. **बोध क्षमता का विकास—** विद्यार्थियों को विभिन्न विधाओं की पुस्तकों, जैसे—कविता, कहानी, उपन्यास, निबंध, आत्मकथा इत्यादि को पढ़कर समझने की दक्षता का विकास करना।
4. **रचनात्मक अभिव्यक्ति कौशल को प्रोत्साहित करना—** विद्यार्थियों को अपनी भावनाओं को लिखकर एवं बोलकर अभिव्यक्त करने में दक्ष बनाना।
5. **विवेचनात्मक सोच एवं समझ का विकास करना—** विद्यार्थियों को विभिन्न विधाओं की रचनाओं को पढ़कर, उनका विश्लेषण विवेचन तथा समीक्षा करने में दक्ष बनाना।
6. **उच्च शिक्षा के लिए तैयार करना—** विद्यार्थियों को कॉलेजों, विश्वविद्यालयों, प्रतियोगी परीक्षाओं इत्यादि में सफलता पूर्वक प्रवेश लेने में दक्ष बनाना।
7. **सांस्कृतिक एवं नैतिक समझ को विकसित करना—** विद्यार्थियों को साहित्य के माध्यम से विभिन्न संस्कृतियों, कलाओं, परंपराओं इत्यादि से परिचित कराना।

अंक विभाजन
पूर्णांक-100

खंड			भारांक	कालांश
क	अपठित बोध		14	30
ख	व्यावहारिक व्याकरण		16	35
ग	पाठ्यपुस्तक एवं पूरक पाठ्यपुस्तक		30	75
घ	रचनात्मक लेखन		20	40
योग			80	180

भारांक— 80 वार्षिक परीक्षा + 20 आंतरिक परीक्षा

पाठ्यक्रम विभाजन

सत्रवार

सत्रीय परीक्षा -1	अर्द्धवार्षिक परीक्षा	सत्रीय परीक्षा -2	वार्षिक परीक्षा
• हिंदी साहित्य का इतिहास • नमन करूँ मैं • भाई-बहन • उत्साह	• हिंदी साहित्य का इतिहास • उत्साह • वचन • तत्सत • रहीम के दोहे • नीतिवचन	• हिंदी साहित्य का इतिहास • वैयाकरण • नीम की पत्तियाँ • ठेस • पहाड़ों की रानी माँ गाइदिनल्यू	• हिंदी साहित्य का इतिहास • वैयाकरण • नीम की पत्तियाँ • ठेस • पहाड़ों की रानी माँ गाइदिनल्यू • नदी • हमारे पूर्वज
व्याकरण के बिंदु	**व्याकरण के बिंदु**	**व्याकरण के बिंदु**	**व्याकरण के बिंदु**
• हिंदी भाषा एवं मानक हिंदी • भाषाओं का वर्गीकरण • वर्ण विचार	• भाषाओं का वर्गीकरण • वर्ण विचार • उपसर्ग/प्रत्यय • संधि	• पद परिचय • समास • अशुद्धि-संशोधन	• मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ • रस • छंद • अलंकार • अपठित गद्यांश-पद्यांश • शब्द शक्तियाँ

निम्नलिखित पाठ आंतरिक मूल्यांकन में शामिल किए जाएँगे—

- निंदा रस
- सौंदर्य की नदी नर्मदा
- महुए तोड़े नहीं जाते
- यात्रा चित्रकला की

आंतरिक मूल्यांकन में शामिल किए गए व्याकरण के बिंदु—

- कविता कैसे लिखें
- आओ कहानी बुनें
- नाट्य लेखन एवं मंचन
- पटकथा-संवाद लेखन, फिल्म समीक्षा
- नए विषयों पर लेखन

आंतरिक मूल्यांकन के बिंदु—

चर्चा, परिचर्चा, समूहवार्ता, भाषण, वाद-विवाद, परियोजना-कार्य, लघुशोध, कविता, कहानी, रिपोतार्ज, संस्मरण इत्यादि का लेखन, विद्यालय के सांस्कृतिक गतिविधियों में प्रतिभाग, सहपाठियों, पर्यावरण के प्रति किया गया व्यवहार इत्यादि।